<u>प्रेस नोट</u>

दिनांक: 02.11.2019

सीबीएसई और विद्यालयों ने चुनौतियों और मुद्दों पर मिशन मोड में कार्य करने का संकल्प लिया

विज्ञान भवन, दिल्ली में 1 नवंबर 2019 को प्रारंभ सीबीएसई का 90वां वर्षोत्सव और सीबीएसई सहोदय विद्यालय संकुल का वार्षिक सम्मेलन 02 नवंबर 2019 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सम्मेलन के दूसरे दिन, श्री भरत लाल, अपर सचिव, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार ने स्कूलों में जल संरक्षण रणनीतियों को लागू करने पर बल दिया। **'ग्रीन के बचाव के लिए ब्लू को संरक्षित करो',** इस उपयुक्त विषय-वस्तु वाले सत्र में जल संरक्षण की दिशा में की गई पहलों और तेजी से घटते इस संसाधन के संरक्षण के लिए उठाए जाने वाले उपायों पर चर्चा की गई। जल शक्ति मंत्रालय जल-मिशन को आगे ले जाने के लिए सीबीएसई के साथ मिलकर कार्य कर रहा है। सहोदय संकुल इसके लिए छात्रों को संवेदनशील बनाने में योगदान देगा। अनीता करवल, अध्यक्ष, सीबीएसई द्वारा सीबीएसई विद्यालयों द्वारा अपनाई जाने वाली निम्नलिखित गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई:-

- एक बच्चा, एक लीटर जल सरंक्षण : सीबीएसई विद्यालयों में कक्षा 5 से 12 तक प्रत्येक बच्चा घर और विद्यालय में प्रत्येक दिन कम से कम एक लीटर पानी बचाएगा।
- जल सर्वेक्षण करें
- जल जागरूकता अध्ययन को सभी शैक्षणिक विषयों का हिस्सा बनाएं
- सीबीएसई के तहत सभी विद्यालय अगले तीन वर्षों में जल समपन्न बनें

इस सम्मेलन में निम्नलिखित महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान और विचार-विमर्श भी आयोजित किए गए: -

1. विविध कक्षाओं के लिए विभिन्न प्रकार का अधिगम
2. शिक्षा में रंगमंच और परिवर्तन पर बातचीत

3. शिक्षा और कौशल को आगे बढ़ाना
4. गणित की कला
5. स्वस्थता और तंदुरुस्ती पर बल
6. आर्टिफ़िसिएल इंटेलिजेंस के साथ भविष्य-उन्मुख विद्यालय
7. अनुभवजन्य अधिगम
8. फिट इंडिया

सम्मेलन में बाल केंद्रित शिक्षा और नई तालीम के सिद्धांतों को ध्यान में रखकर संधारणीय भविष्य के लिए योग्यतामूलक समग्र शिक्षा के निर्माण का संकल्प लिया गया। यह भी संकल्प लिया गया कि विद्यार्थियों की आवश्यकताओं, रुचियों और अभिक्षमताओं को प्राथमिकता दी जाएगी। वर्तमान चुनौतियों और मुद्दों के आधार पर कार्यक्रम और परियोजनाएं मिशन मोड में क्रियान्वित की जाएंगी।

इस सम्मेलन से प्रतिभागियों को नए विचार, नवोन्मेष व महात्मा गांधी द्वारा प्रतिपादित नई तालीम और आज शिक्षा जगत में इसकी प्रासंगिकता के बारे में व्यापक समझ विकसित करने में सहायता मिली।

इस दो दिवसीय सम्मेलन से विविध संदर्भों के लोगों और विषयों को एक साथ लाने और वर्तमान मुद्दों पर परिचर्चा और विचार-विमर्श करने का उद्देश्य पूरा हुआ। इससे विविध दृष्टिकोण सामने आए और विषय आधारित विचारोत्तेजक जानकारियां और परिप्रेक्ष्य उजागर हुए जिससे प्रतिभागियों को शिक्षा के जटिल क्षेत्र की एक झलक मिली।

रमा शर्मा
वरिष्ठ जन संपर्क अधिकारी